कुमार जीवन - 43

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ **कुमारों के अलग-अलग ग्रुप से अव्यक्त बापदादा की मुलाकात (1)** सभी श्रेष्ठ कुमार हो ना? साधारण कुमार नहीं, श्रेष्ठ कुमार! तन की शक्ति, मन की शक्ति सब श्रेष्ठ कार्य में लगाने वाले। कोई भी शक्ति विनाशी कार्य में लगाने वाले नहीं। विकारी कार्य है विनाशकारी कार्य और श्रेष्ठ कार्य है - ईश्वरीय कार्य। तो सर्व शक्तियों को ईश्वरीय कार्य में लगाने वाले श्रेष्ठ कुमार।

➳ _ ➳ **कहाँ व्यर्थ के खाते में तो कोई शक्ति नहीं लगाते हो?** अभी अपनी शक्तियों को कहाँ लगाना है यह समझ मिल गई। इसी समझ द्वारा सदा श्रेष्ठ कार्य करो। ऐसे श्रेष्ठ कार्य में सदा रहने वाले,श्रेष्ठ प्राप्ति के अधिकारी बन जाते हैं। ऐसे अधिकारी हो? अनुभव करते हो कि श्रेष्ठ प्राप्ति हो रही है? या होनी है? हर कदम में पदमों की कमाई जमा हो रही है या अनुभव है ना? जिसकी एक कदम में पदमों की कमाई जमा हो वह कितने श्रेष्ठ हुए! जिसकी इतनी जमा सम्पत्ति हो उसको कितनी खुशी होगी! **आजकल के लखपति, करोड़पति को भी विनाशी खुशी रहती है आपकी अविनाशी प्रापर्टी है।**

➳ _ ➳ **श्रेष्ठ कुमार की परिभाषा समझते हो? "सदा हर शक्ति श्रेष्ठ कार्य में लगाने वाले।"** व्यर्थ खाता सदा के लिए समाप्त हुआ श्रेष्ठ खाता जमा हुआ? या दोनों चलता है? एक खत्म हुआ। अभी दोनों चलाने का समय नहीं है। अभी वह सदा के लिए खत्म। दोनों होगे तो जितना जमा होना चाहिए उतना नहीं होगा। गँवाया नही, जमा हुआ तो कितना जमा होगा! तो व्यर्थ खाता समाप्त हुआ, समर्थ खाता जमा हुआ।

(11-05-1984)

➢➢ संकल्प शक्ति

➳ _ ➳ हमारा एक एक संकल्प बहुत महत्वपूरण है

→ अपने एक एक संकल्प पर विशेष अटेंशन दीजिये

- जैसे ही कोई -ve संकल्प उत्पन्न हो... तुरंत विशेष अटेंशन देकर उसे परिवर्तित कीजिये

➳ _ ➳ योग के समय किये गए संकल्प तो और भी ज्यादा महत्वपूरण है

→ अगर अमृतवेला के समय किसी के प्रति घृणा या इर्ष्या का संकल्प उत्पन्न हुआ

- तो वह दूसरी आत्मा पर बहुत ज्यादा नकारात्मक प्रभाव डालेगा
  - हमारे नकारात्मक संकल्प किसी आत्मा को श्रापित भी कर सकते हैं
  - श्राप देने से योगी की अथाह शक्तियां नष्ट हो जाती हैं... इसमें योगी आत्मा का भी बहुत बड़ा नुक्सान है
  - हम इस सृष्टि में जो कुछ भी फेंकेंगे ... वो हमारे पास वापिस लौट कर आएगा
  - **Every Action Has Equal & Opposite Reaction**

➳ _ ➳ हम अपने संकल्प पर्वतों को चीर कर भी ... कभी भी... कहीं भी ... किसी भी आत्मा तक पहुंचा सकते हैं

→ संकल्पों की शक्ति को कोई बाधा नहीं रोक सकती

➳ _ ➳ हमने किसी को सकाश दी... उसका प्रमाण ये है की

→ हमें बहुत गहन अनुभव होगा

- "Sakash Delivered" का मेसेज आ जाएगा

➢➢ ध्यान देने योग्य पॉइंट

➳ _ ➳ कुछ सेकंड का विकारों का समय

→ हमारी अनंत शक्तियों को नष्ट कर देता है

→ हमारी लम्बे काल की साधना को नष्ट कर देता है

→ हम वापिस वहीँ पहुँच जाते हैं... जहां हम बहुत समय पहले थे